आज दिनांक 24-08-2017 को IQAC के तत्वाधान में महाविद्यालय में नैक प्रक्रिया को कराने हेतु बैठक आहूत की गयी। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गयी :-

- एम० जी० एस० रा० स्ना० महावि० हनुमानगढ़ जंक्शन में छात्र-छात्राओं की संख्या अधिक है प्रवेश के समय अनेक कठिनाइयां आती थी उसे दूर करने हेतु यह निर्णय लिया गया कि नये सत्र से सभी प्रवेश ऑनलाइन आवेदन फॉर्म के माध्यम से किये जायेंगे।
- महाविद्यालय स्तर पर किये गये सभी प्रवेश तथा परीक्षा हेतु आवेदन पत्र तथा फीस ऑनलाइन जमा करवायी जायेगी।
- कक्षा शिक्षण कार्य को रोचक एवं सार्थक बनाने हेतु कक्षा की परिस्थितियों को तकनीकी तथा अकादमिक सुविधाओं के माध्यम से उत्तम बनाया जायेगा।
- महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की संख्या अधिक है महाविद्यालय में अधिक संख्या में शौचालयों की आवश्यकता है स्वच्छ वातावरण को बनाये रखने हेतु यह निर्णय लिया गया कि महाविद्यालय में अतिरिक्त हाईटेक शौचालयों का निर्माण किया जाए।
- महाविद्यालय में छात्राओं के बौद्धिक संवाद तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों हेतु एक से अधिक कॉमन रूम निर्माण का प्रस्ताव भी रखा गया।
- महाविद्यालय से पढ़ने के बाद छात्र-छात्राएं विभिन्न संस्थाओं में प्रवेश लेना चाहते हैं उनके मार्गदर्शन हेतु एक समिति का निर्माण किया

जाय जिसमें निम्न प्राध्यापकों को रखा जाय-

1. डा० बी० आर० पंत - संयोजक
2. डा० विनय विद्यालंकार - सदस्य
3. डा० सी० एस० जोशी - सदस्य
4. डा० गोविन्द पाठक - सदस्य
5. डा० चन्द्रावती जोशी - सदस्य
6. डा० एन० के० लोहनी - सदस्य
7. डा० अशोक कुमार - सदस्य

- उच्च शिक्षा उन्नयन हेतु शासन स्तर से अनेक निर्णय लिये गये उनमें से एक छात्र-छात्राओं हेतु ड्रेस कोड हो इस क्रम में महाविद्यालय में कामन ड्रेसकोड हो इसकी अनुशंसा की गयी।
- आई०क्यू०ए०सी० महाविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण तथा उन्नयन हेतु निरन्तर प्रस्ताव एवं प्रतिवेदन तैयार करता रहता है इस सत्र में शिक्षकों के कैरियर एडवांसमेन्ट को प्रोत्साहित करने हेतु समय-समय पर महाविद्यालय में संगोष्ठी, कार्यशाला आदि का आयोजन की अनुशंसा करता है ताकि आधुनिक सूचना एवं प्रौद्योगिकी का अधिकतम लाभ लिया जा सके।
- शिक्षकों का विभिन्न अन्तः उपागम पाठ्यक्रमों में ओरियंटेशन कोर्स, रिफ्रेशर कोर्स तथा कार्यशालाओं में उनका प्रतिभाग अधिक से अधिक हो इसका प्रस्ताव एवं रूप-रेखा बनाकर प्राचार्य को प्रेषित करने पर मंथन हुआ।
- महाविद्यालय में परीक्षा नकल विहिन हो तथा छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा हेतु उचित वातावरण निर्मित हो सके इस विषय पर विचार

किया गया, छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक प्रतिभाग को व्यापक बनाने हेतु आन्तरिक मूल्यांकन के विभिन्न घटकों की समीक्षा की गयी जिसमें कक्षाओं में उनकी नियमित उपस्थिति, विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों में प्रतिभाग को कैसे बढ़ाया जा सके इस पर विचार-विमर्श किया गया।

- शोध-परियोजनाओं (MRP), सेमीनार आयोजन, विभागीय शोध कार्यशालाओं के आयोजन कैसे किया जाय इसमें विभिन्न विभागों की सक्रिय सहभागिता कैसे बढ़ायी जाय इस हेतु शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाय इसकी रूप-रेखा तय की गयी।

प्राचार्य
एम० बी० राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)